



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 29 मई, 2026

जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: (i) उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश भागों में चल रही ऊष्ण लहर थम गई है, और कल से मध्य भारत के अधिकांश भागों में भी इसके थमने की संभावना है।

(ii) 1 से 4 जून तक उत्तर-पूर्वी भारत और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

(iii) 29 से 31 मई के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत और पूर्वी भारत में तूफानी हवाओं के साथ मध्यम से गंभीर गरज-चमक की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा $9^{\circ}\text{N}/60^{\circ}\text{E}$, $8.5^{\circ}\text{N}/65^{\circ}\text{E}$, $8^{\circ}\text{N}/70^{\circ}\text{E}$, $7.5^{\circ}\text{N}/75^{\circ}\text{E}$, $8^{\circ}\text{N}/80^{\circ}\text{E}$, $11^{\circ}\text{N}/85^{\circ}\text{E}$, $15^{\circ}\text{N}/90^{\circ}\text{E}$, $19^{\circ}\text{N}/95^{\circ}\text{E}$ और $21^{\circ}\text{N}/97^{\circ}\text{E}$ से होकर गुजरती रहेगी।
- ❖ अगले 2-3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर, लक्षद्वीप क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम, पूर्व-मध्य और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष भागों और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ भागों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।

आज, 29 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ बिहार, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (11-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना और उत्तराखंड में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ बिहार, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा में कुछ स्थानों पर 70-105 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक वाला तूफान आया; तेलंगाना, विदर्भ, सौराष्ट्र, कच्छ, पश्चिमी मध्य प्रदेश, झारखंड, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, लक्षद्वीप, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, पंजाब और पूर्वी मध्य प्रदेश में 50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं; मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- ❖ उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश, पश्चिम राजस्थान, मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- ❖ मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, विदर्भ में ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (28-05-2026 तक): उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और राजस्थान से सटे मध्य भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान $43-47^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा, जबकि पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी भारत, पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और पश्चिमी

प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर देश के शेष हिस्सों में यह 40-43°C के बीच रहा। **सबसे अधिक अधिकतम तापमान 47.5°C बांदा (उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।**

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (28-05-2026 तक): पूर्वी मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और विदर्भ के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; छत्तीसगढ़, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, मध्य महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तेलंगाना, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। कोंकण और गोवा, लक्षद्वीप, मराठवाड़ा, उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा; बिहार, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, गुजरात क्षेत्र, केरल और माहे, ओडिशा, सौराष्ट्र और कच्छ, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा; जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम और मेघालय, बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर में छिटपुट स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, झारखंड, केरल और माहे, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, ओडिशा, रायलसीमा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तेलंगाना, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से नीचे (-3.0°C से -1.6°C) रहा, जबकि देश के शेष भागों में यह सामान्य के आसपास था।
- ❖ 29-05-2026 तक, पूर्वी राजस्थान, कोंकण और गोवा में रात्रि तापमान/न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था। केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी भारत में यह सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था, जबकि देश के शेष भागों में यह सामान्य से नीचे या सामान्य के आसपास था।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ, जिसका अक्ष समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर है, अब लगभग 75° पूर्व देशांतर के अनुदिश अक्षांश 32° उत्तर की ओर चलता है।
- ❖ मध्य पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ मध्य पाकिस्तान के चक्रवाती परिसंचरण से उत्तरपूर्वी अरब सागर तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त बना हुआ है।
- ❖ मध्य पाकिस्तान के चक्रवाती परिसंचरण से ओडिशा के आंतरिक भाग तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ उत्तरी आंतरिक ओडिशा और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित एक चक्रवाती परिसंचरण उपरोक्त गर्त में विलीन हो गया है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित एक पछुआ गर्त, जिसका अक्ष लगभग 90° पूर्व देशांतर के अनुदिश 21° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है, निरंतर बना हुआ है।
- ❖ मध्य असम और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे तमिलनाडु तट पर मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ दक्षिणपूर्वी अरब सागर और आसपास के मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण।
- ❖ पूर्वी मध्य और दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी के निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण।
- ❖ पूर्वी बांग्लादेश और आसपास के क्षेत्रों के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ इस सप्ताह के दौरान क्षेत्र में छिटपुट से लेकर काफी व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 1 से 4 जून के दौरान, असम और मेघालय में 2 से 4 जून के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 31 मई से 3 जून के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना में 29 मई से 2 जून तक छिटपुट से मध्यम हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 29 और 30 मई के दौरान भी यही स्थिति रहेगी।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में 29 से 31 मई के दौरान गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 29 मई से 1 जून तक; केरल और माहे में 29 मई और 31 मई से 4 जून तक; लक्षद्वीप में 31 मई से 4 जून तक; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 29 मई को; 29-31 मई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 29 और 30 मई को रायलसीमा में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 29 मई से 4 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, साथ ही 29 मई और 2 से 4 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 31 मई से 4 जून के दौरान झारखंड और ओडिशा में, 31 मई को बिहार में और 31 मई से 2 जून के दौरान ओडिशा में, छिटपुट रूप से हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 29 मई को बिहार में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 80-90 किमी प्रति घंटा और 100 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 29 मई को गंगा के पश्चिमी बंगाल और 29 और 30 मई को ओडिशा में आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 29 और 30 मई को झारखंड और 30 मई को बिहार में आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 29 और 30 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, 29 मई को झारखंड और 30 मई को बिहार में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है; बिहार में 29 मई को बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 मई को बिहार में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 30 मई को जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है; 29 और 30 मई को हिमाचल प्रदेश में भी यही संभावना है।
- ❖ 31 मई को उत्तर प्रदेश में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है; 31 मई से 2 जून के दौरान राजस्थान में भी यही संभावना है।
- ❖ 29 मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 80-90 किमी प्रति घंटा और 100 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है।
- ❖ 29 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 70-80 किमी प्रति घंटा और 90 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है।

- ❖ 30 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में तथा 29 और 30 मई को राजस्थान में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 29 मई को जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में तथा 30 मई को उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 29 मई को उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में तथा 29 और 30 मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।
- ❖ 29 मई को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश तथा 29 और 30 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 29 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में तथा 29 मई से 2 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; पूर्वी राजस्थान में 29 और 30 मई को छिटपुट धूल भरी आंधी आने की प्रबल संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 1 और 2 जून को तथा विदर्भ में 2 जून को हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 29 से 31 मई के दौरान तथा विदर्भ में 29 से 1 जून के दौरान गरज के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं, 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 29, 31 मई और 1 जून को भारी वर्षा की संभावना है।
- ❖ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 29 और 30 मई को तथा विदर्भ में 30 और 31 मई को ओलावृष्टि की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 31 मई से 4 जून के दौरान कोंकण और गोवा में, 30 मई से 3 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र में, 31 मई से 3 जून के दौरान मराठवाड़ा में और 30 मई से 4 जून के दौरान गुजरात राज्य में छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 31 मई से 2 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 30 मई तक अधिकतम तापमान में 5-7°C की क्रमिक गिरावट और 31 मई से 4 जून के दौरान 5-7°C की क्रमिक वृद्धि की संभावना है।
- ❖ मध्य भारत में 29 मई तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है और 30 मई से 4 जून के दौरान 3-5°C की क्रमिक गिरावट की संभावना है।
- ❖ महाराष्ट्र राज्य में 30 मई तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है और 31 मई से 4 जून के दौरान 2-3°C की क्रमिक गिरावट की संभावना है।
- ❖ गुजरात राज्य में 4 जून तक अधिकतम तापमान में 3-5°C की क्रमिक गिरावट की संभावना है।
- ❖ देश के शेष हिस्सों में 4 जून 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- ❖ 29 मई को विदर्भ के कुछ छिटपुट स्थानों पर ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 29 मई को छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के कुछ अलग-अलग इलाकों में तथा 29 और 30 मई को तेलंगाना और पश्चिमी मध्य प्रदेश में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।

❖ 29 मई को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:
- ❖ बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र, तमिलनाडु और श्रीलंका के तटों के साथ-साथ, दक्षिण और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों, दक्षिण और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर में 29 मई से 3 जून, 2026 तक। पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के तटों के साथ-साथ 29 मई को भी न जाने की सलाह दी जाती है।
- ❖ अरब सागर: उत्तरी गुजरात तट और उससे सटे उत्तर-पूर्वी अरब सागर के साथ-साथ 29 मई से 31 मई, 2026 तक; ओमान तट और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी और पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों के साथ-साथ 2 जून को भी।
- ❖ सोमालिया तट और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी अरब सागर के कुछ हिस्सों के साथ-साथ 29 मई से 3 जून, 2026 तक न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 29 मई से 1 जून 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ बिहार: सिसवन(14)
- ❖ तमिलनाडु: कोलाचेल 12, अलापुथुर 7,
- ❖ रायलसीमा: राजू पालेम 9,
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: कलिम्पोंग(8)
- ❖ तेलंगाना: अचमपेटा 8,
- ❖ उत्तराखंड: कालसी (8)
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: गुडीवाड़ा 7
- ❖ केरल और माहे: मावेलिककारा 7, मनकोम्पु 7

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ बिहार: पटना 107, राजगीर 76, जीरादेई 72
- ❖ ओडिशा: मल्कानगिरी 98, सोनपुर 85
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: मारुटेरु 89, सीएस_पुरम 81, पेद्दापुरम 78, लाम_गुंतूर 63, भीमावरम 56, गोपन्नापलेम_एलुरु 56, चिराला 50, मायलावरम_कॉलेज_ऑफ_इंजीनियर 48, गोपालनगर_मछलीपट्टनम 48
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: मिर्जापुर 89, वाराणसी 78, प्रतापगढ़ 67, रायबरेली 63, फुरसतगंज 63, वाराणसी 56, गाज़ीपुर 46, बांदा 46, फतेहगढ़ 46, प्रयागराज 46, कानपुर 44, कानपुर 44
- ❖ उत्तराखंड: मालदेवता 87, रानीचौरी 85, चंपावत68, जौलीग्रांट67,रुड़की59, चमोली 56, मुक्तेश्वर/पंतनगर/कोसियाकुटोली/देहरादून46, हाथीभरकला43।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बुलन्दशहर 78, मुरादाबाद 74, जीबी नगर 65, बरेली 61, आगरा और अलीगढ़ 56, हिंडन, आगरा 50, बरेली, मोरादाबाद और बरेली 46,

- ❖ हरियाणा: जिंद 78, रोहतक 61, करनाल 67, पलवल 44
- ❖ तेलंगाना: रास_पोलासा_जगित्याल 67, बेल्लमपल्ली 61, पलेनूलम56, आदिलाबाद52, रामागिरी_खिला52, कोठागुडेम50, सिरसिला48, गादिपल्ली46, प्रकाशम_जम्मीकुंटा44, मामनूर43, कावेरी_सिद्दीपेट 41, करीमनगर41
- ❖ विदर्भ:वर्धा 65
- ❖ सौराष्ट्रकच्छ: भचाऊ 65
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: ग्वालियर 65
- ❖ झारखंड: नेतरहाट57
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: कलना56
- ❖ लक्षद्वीप: रास_तिरुपति 56, एग्रीकल्चरल_कॉलेज_ बडवेल 44, अर्स_अनंतपुरम 43
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद: रामबन 52, गुलमर्ग 48, सांबा 43
- ❖ पंजाब: मोहाली56, बठिंडा54
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर 52
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: शहादा नंदुरबार 48, कलवान नासिक 46,
- ❖ गुजरात क्षेत्र: 48 अरसरनेजअहमद
- ❖ छत्तीसगढ़: कोरिया 44
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: तेनकासी44, तिरुचेंदुर44

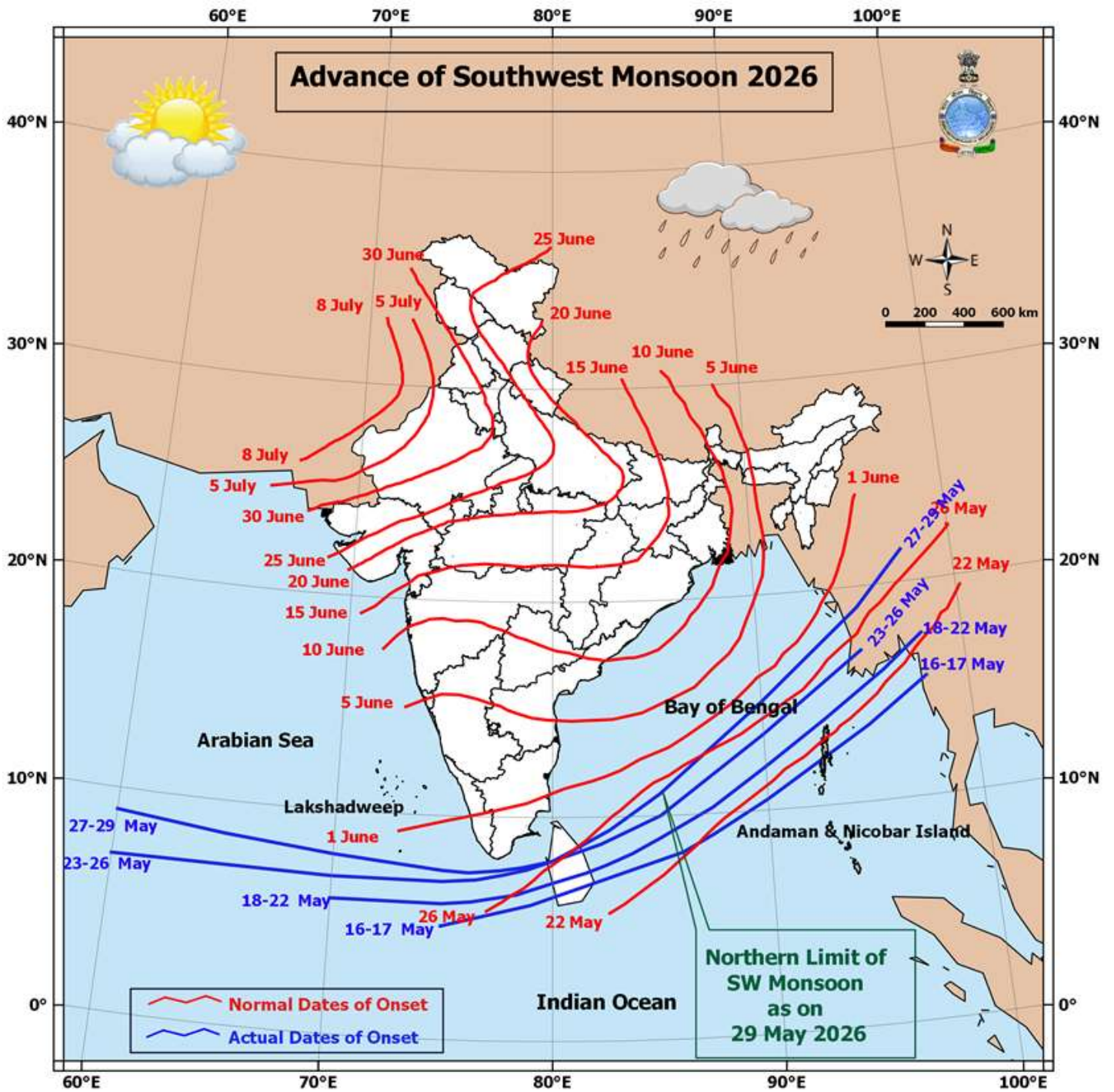
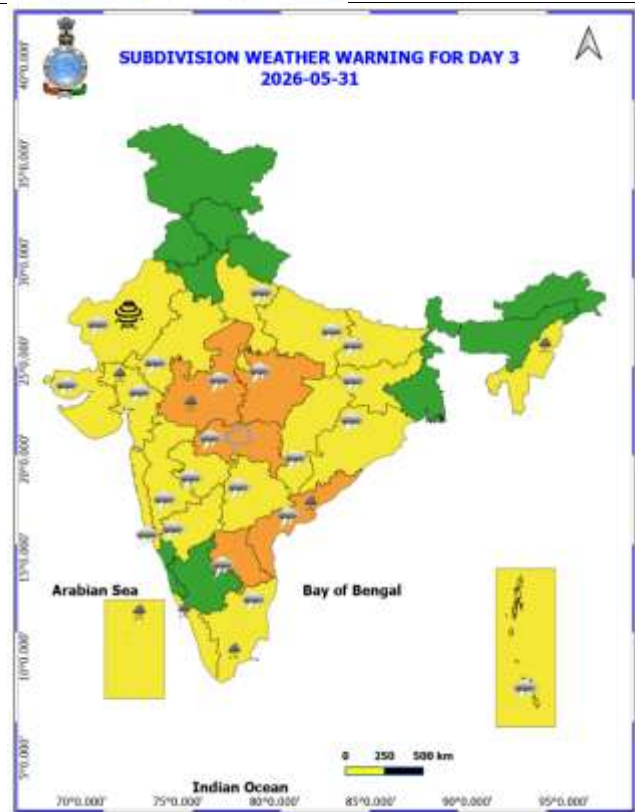
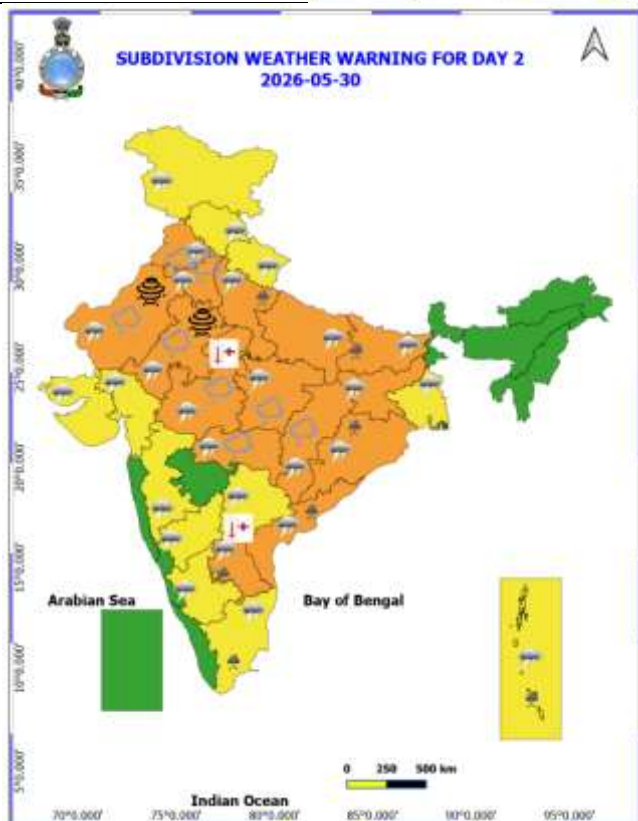
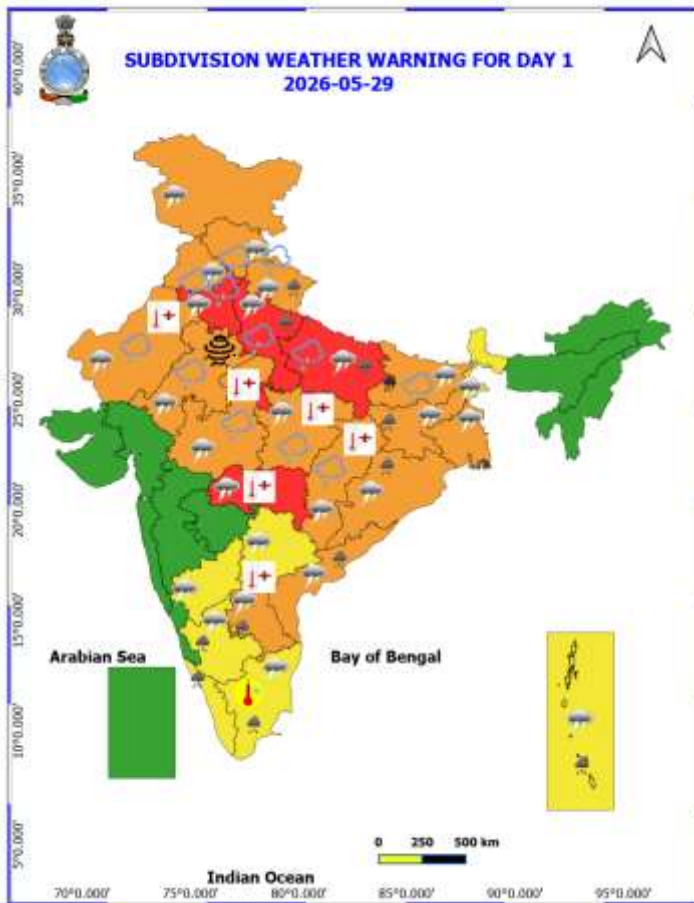
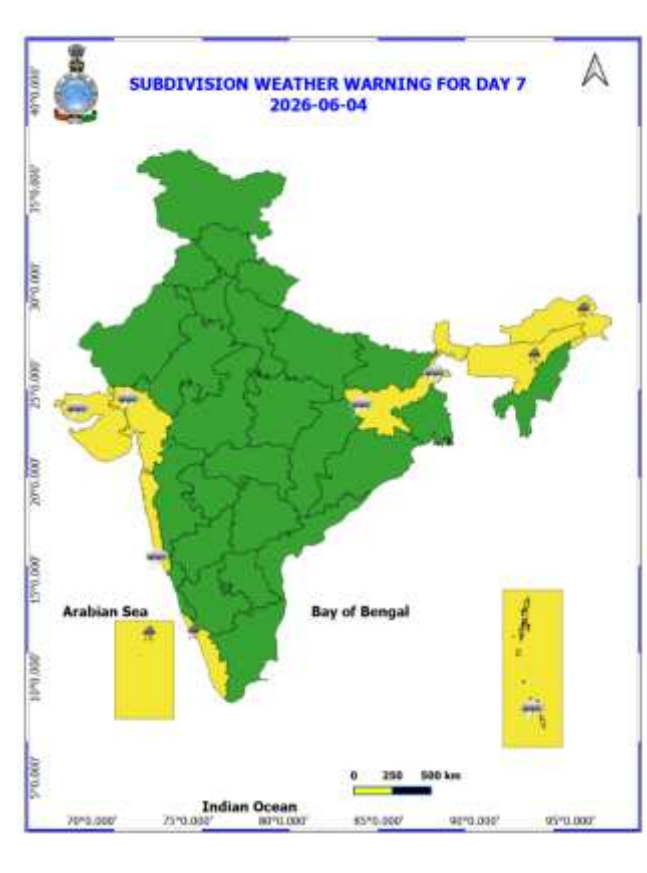
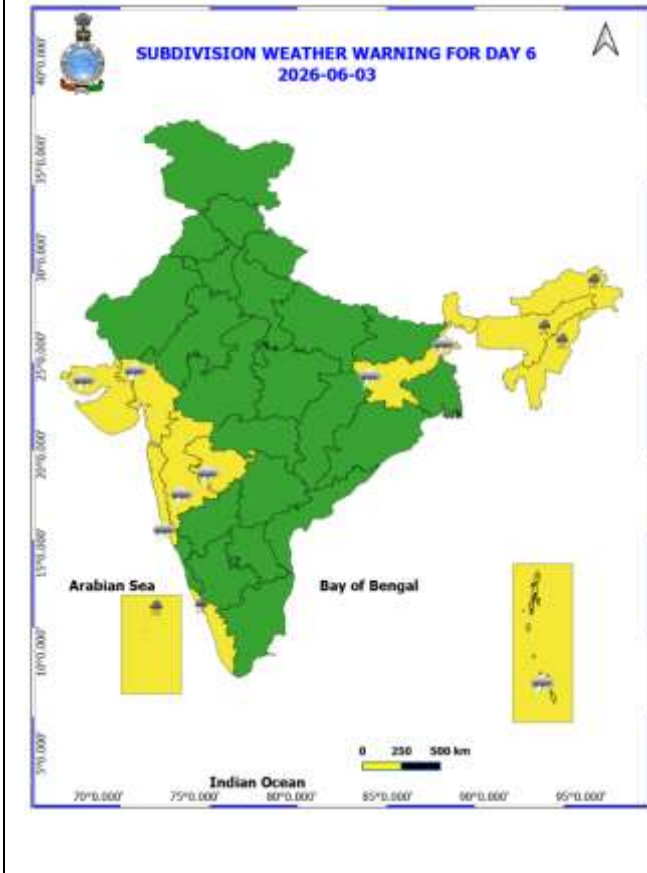
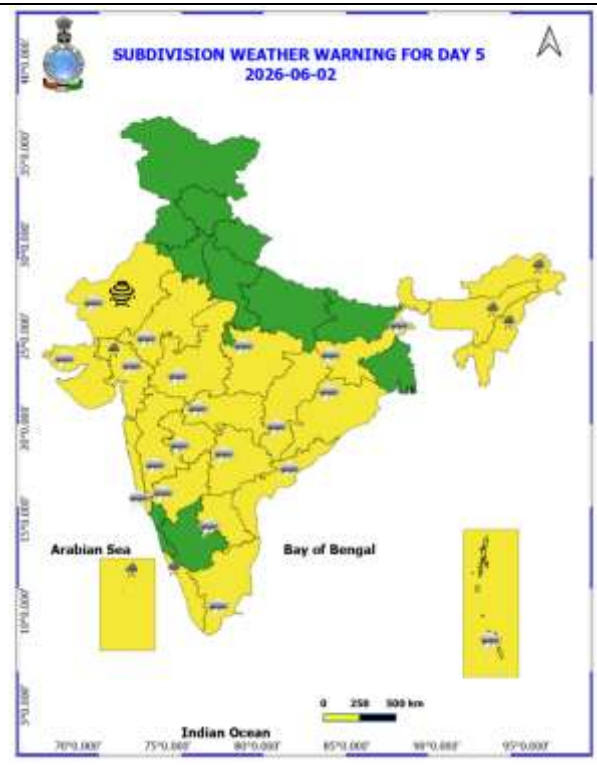
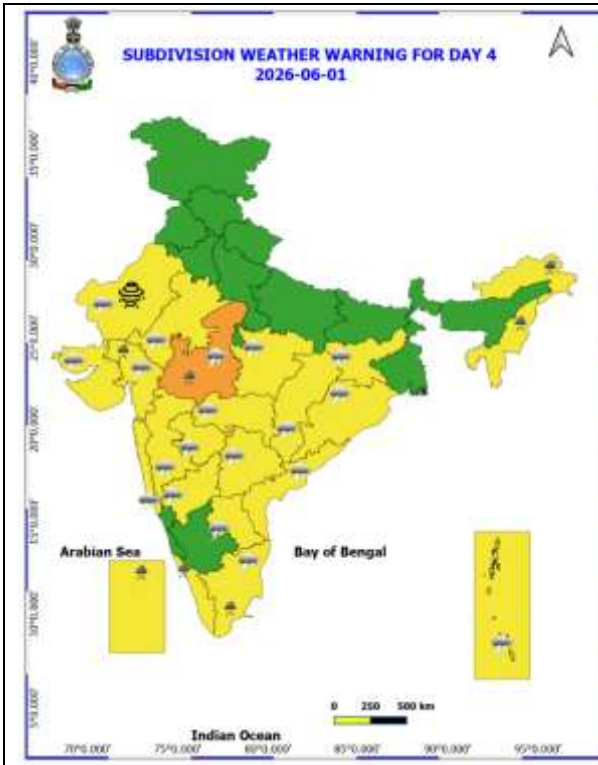


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	29- May	30- May	31- May	1- Jun	2- Jun	3- Jun	4- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
14	PUNJAB	SCT	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

29 मई से 1 जून 2026 के दौरान दिल्ली/NCR के लिए मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 3-5°C की गिरावट और न्यूनतम तापमान में 2-4°C की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 39-41°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24-26°C की सीमा में रहे। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहे। दिल्ली के कुछ अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) और शेष हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहे। आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने से बदलकर आम तौर पर बादल छाए रहने वाला हो गया। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में गरज/बिजली कड़कने और 61 किमी प्रति घंटे तक की गति वाली तेज़ हवाओं के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में मुख्य रूप से आसमान साफ रहने और सतह पर हवा की गति 20 किमी प्रति घंटे तक रहने की संभावना है, जो बढ़कर 36 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है और हवा पूर्वी दिशा से चलेगी।

मौसम का पूर्वानुमान:

29.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने से बदलकर दोपहर की ओर आम तौर पर बादल छाए रहने वाला हो जाएगा। दोपहर से रात के बीच गरज/बिजली कड़कने और 60-70 किमी प्रति घंटे की गति वाली तेज़ सतही हवाओं (जो बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे तक हो सकती हैं) के साथ बहुत हल्की/हल्की बारिश के एक या दो दौर आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35°C से 37°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-3.1°C से -5.0°C) रहेंगे। दोपहर के घंटों के दौरान सतह पर मुख्य हवा दक्षिण-पूर्वी दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति बढ़कर 30 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी और यह पूर्वी दिशा से चलेगी।

30.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने से बदलकर दोपहर की ओर आम तौर पर बादल छाए रहने वाला हो जाएगा। दोपहर से शाम के बीच, बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ गरज/बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 kmph, जो बढ़कर 60 kmph तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.0°C से अधिक) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पूर्वी दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 kmph तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 30 kmph तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्वी दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 20 kmph तक रह जाएगी और यह पूर्वी दिशा से चलेगी।

31.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय, बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ गरज/बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 kmph) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पूर्वी दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय सतह पर चलने वाली हवा की गति कम होकर 18 kmph तक रह जाएगी और यह दक्षिण-पूर्वी दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 kmph तक रह जाएगी और यह पूर्वी दिशा से चलेगी।

01.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°C से 39°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -

3.0°C) रहेगा, और दिल्ली के ज़्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर पूर्व दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति कम होकर दक्षिण दिशा से 15 kmph तक रह जाएगी।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ तूफ़ान के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (60-70 kmph, जो 80 kmph तक पहुँच सकती हैं) के साथ धूल भरी हवाओं वाला तूफ़ान आने की संभावना है।

•संभावित असर: पेड़ों की डालियाँ टूट सकती हैं और बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं; पेड़ों की सूखी डालियाँ गिर सकती हैं; खड़ी फ़सलों को नुकसान पहुँच सकता है; डालियाँ गिरने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से लेकर भारी नुकसान पहुँच सकता है; तेज़ हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान पहुँच सकता है; हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

•जन सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम के अपडेट और बिगड़ते हालात पर लगातार नज़र रखें; घर के अंदर ही रहें और बिना ज़रूरत बाहर न निकलें; खिड़की-दरवाज़े मज़बूती से बंद रखें; सुरक्षित जगहों पर पनाह लें और खुले इलाकों में जाने से बचें; पेड़ों के नीचे पनाह न लें; बिजली कड़कने के दौरान कंक्रीट के फ़र्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों का सहारा लें; बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें; पानी वाली जगहों से तुरंत बाहर निकल जाएँ।

छिटपुट आंधी-तूफ़ान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 29-31 मई के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत और पूर्वी भारत में तेज़ हवाओं के साथ मध्यम से गंभीर गरज-चमक की संभावना है।
- ❖ 29 मई को बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में तथा 29 और 30 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तथा 30 और 31 मई को विदर्भ में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फ़र्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 1 से 4 जून के दौरान, असम और मेघालय में 2 से 4 जून के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 31 मई से 3 जून के दौरान; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 29 मई से 1 जून के दौरान; केरल और माहे में 29 मई और 31 मई से 4 जून के दौरान; लक्षद्वीप में 31 मई से 4 जून के दौरान; दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 29 मई को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 29 से 31 मई के दौरान; रायलसीमा में 29 और 30 मई को; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा में 29 और 30 मई को; झारखंड में 29 मई को; बिहार में 30 मई को; पश्चिमी मध्य प्रदेश में 29, 31 मई और 1 जून को; गुजरात क्षेत्र में 31 मई से 2 जून के दौरान भारी वर्षा की संभावना है। 29 मई को बिहार में बहुत भारी बारिश की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 29 मई को विदर्भ के कुछ छिटपुट स्थानों पर ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 29 मई को छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के कुछ अलग-अलग इलाकों में तथा 29 और 30 मई को तेलंगाना और पश्चिमी मध्य प्रदेश में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।

❖ रेड अलर्ट क्षेत्र

- सभी आयु वर्ग के लोगों में लू लगने और हीट स्ट्रोक होने की अत्यधिक संभावना है
- संवेदनशील लोगों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

❖ ऑरेंज अलर्ट क्षेत्र

- उच्च तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने वाले या भारी काम करने वाले लोगों में लू लगने के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।

- संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर के बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

❖ येलो अलर्ट क्षेत्र

- सामान्य तापमान और गर्मी आम जनता के लिए सहनीय है, लेकिन संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मध्यम स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का इस्तेमाल करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अंडमान और निकोबार में, खड़ी फसलों में सिंचाई, निराई-गुड़ाई और पौधों की सुरक्षा के उपाय व उर्वरकों का प्रयोग कुछ समय के लिए टाल दें। खेतों में जलभराव को रोकने के लिए, खड़ी फसलों वाले खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- बिहार में, खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। उचित जल निकास व्यवस्था के साथ धान की बुवाई के लिए नर्सरी तैयार करें।
- तमिलनाडु में, धान की नर्सरी, कपास, ज्वार और सब्जियों में पानी के जमाव को रोकने हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें।
- केरल में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- लक्षद्वीप में, खड़ी फसलों के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
- दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान की कटाई करें। धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। टमाटर के पौधों को स्ट्रेकिंग प्रदान करें।
- आंध्र प्रदेश में - धान, रबी मक्का, ज्वार, चना, मूंगफली, तिल, गन्ना, सब्जियाँ और फलों के बागों जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- जिन क्षेत्रों में भारी वर्षा की संभावना है—जिनमें उत्तराखंड, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, गंगा-तटीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और पंजाब शामिल हैं—वहाँ खड़ी फसलों की सिंचाई रोक दें और फसल के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- पश्चिम राजस्थान में, मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- मध्य प्रदेश में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- छत्तीसगढ़ में, रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उनके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करें।
- महाराष्ट्र - विदर्भ में, सब्जियों और फलों के बागों में सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें, और पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। गन्ने, गर्मियों की मूंगफली, सब्जियों और फलों के बागों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें; सब्जियों और बागों में जैविक या पुआल की मल्लिच का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।
- तेलंगाना में, आवश्यकतानुसार आम के बागानों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।

तूफान / तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

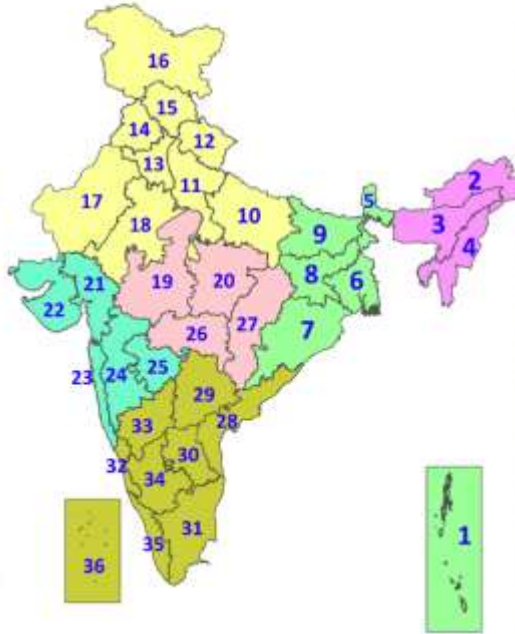
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)